ताजमहल को कैंसर से बचाने वाला

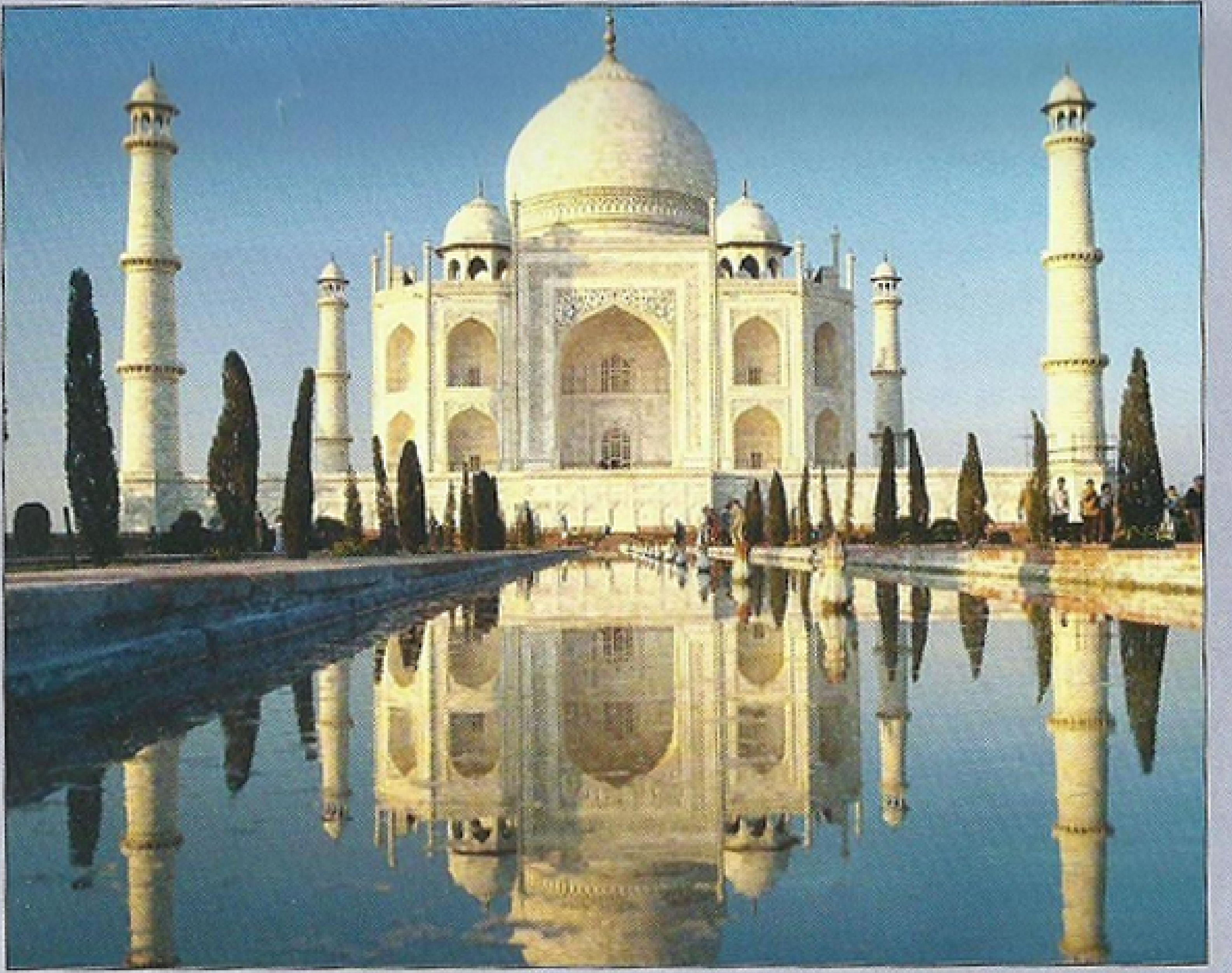

"मैन हू सेव ताज महल" के निर्माता-निर्देशक और लेखक जय बजाज का कहना है कि उनकी लघु फिल्म के असली किरदार एम सी मेहता अब गंगा को प्रदूषण से बचाने के अभियान में जुट गए हैं और इसके लिए सरकार पर दबाव बनाने के मकसद से वह दस लाख हस्ताक्षर जुटा रहे हैं।

फिल्मोत्सव में अपनी 56 मिनट की लघु फिल्म के प्रदर्शन के बाद जय बजाज ने कहा कि उनकी फिल्म कानूनी कार्यकर्ता एम सी मेहता को समर्पित है जिन्होंने ताज महल को एसिड वर्षा से होने वाले कैंसर से बचाने के लिए सरकार को कानून के कठघरे में खड़ा कर दिया था। मेहता का कहना था कि ताज का संगमरमर प्रदूषण के कैंसर से मर रहा है। उन्होंने आगरा में ताजमहल के आसपास के उद्योगों में इस्तेमाल होने वाले कोयले और उससे होने वाले प्रदूषण के खतरों से सरकार को आगाह किया।

यह लघु फिल्म पहली बार भारत में प्रदर्शित की गई है। सबसे पहले इसे ईरान में दिखाया गया था। जय बजाज ने कहा कि उन्होंने यह फिल्म मूल रूप से कनाडा टेलीविजन के लिए बनाई थी। उन्होंने कहा कि वह इस फिल्म की स्क्रीनिंग दिल्ली में कराने वाले हैं और उम्मीद है कि वहां पर्यावरणविद और सरकार के प्रतिनिधि भी इसे देखने आएंगे।

उन्होंने बताया कि मेहता गंगा को प्रदूषण से बचाने के लिए हरिद्वार के महाकुंभ में असंख्य हस्ताक्षर हासिल किए।